Under CSR Support by ipca Foundation | missiongyan

अध्याय – 5 | जैव प्रक्रम

QUIZ PART-09

1. मनुष्य में उत्सर्जन के लिए मुख्य अंग कौन हैं?

A. एक यकृत और एक मूत्राशय
B. दो वृक्क, दो मूत्रवाहिनियाँ, एक मूत्राशय, एक मूत्रमार्ग
C. एक वृक्क, एक मूत्राशय
D. दो हृदय, दो फेफड़े (B)

व्याख्या: उत्सर्जन प्रणाली में दो वृक्क, दो मूत्रवाहिनियाँ, एक मूत्राशय और एक मूत्रमार्ग सम्मिलित होते हैं।\

2. वृक्क की संरचनात्मक और क्रियात्मक इकाई क्या कहलाती है?

A. मूत्राशय
B. वृक्काणु (नेफ्रॉन)
C. मूत्रवाहिनी
D. मूत्रमार्ग (B)

व्याख्या: वृक्क में उपस्थित वृक्काणु (नेफ्रॉन) ही उत्सर्जन की मूल इकाई है जो मूत्र निर्माण करता है।

3. वृक्काणु का वह भाग जो रक्त को छानने में सहायक है, वह क्या कहलाता है?

A. मूत्राशय
B. बोमेन सम्पुट
C. मूत्रमार्ग
D. मूत्रवाहिनी (B)

व्याख्या: बोमेन सम्पुट ग्लोमेरुलस से जुड़ा होता है और यह रक्त से अपशिष्ट पदार्थ छानने का कार्य करता है।

4. मूत्र निर्माण की प्रक्रिया में पहला चरण कौन-सा है?

A. स्रवण
B. पुनः अवशोषण
C. निस्पंदन
D. संग्रहण (C)

व्याख्या: मूत्र निर्माण का पहला चरण निस्पंदन (filtration) होता है जो ग्लोमेरुलस में होता है।

5. मूत्र निर्माण की प्रक्रिया में 'पुनः अवशोषण' का तात्पर्य क्या है?

A. मूत्राशय में मूत्र का संग्रह
B. रक्त में उपयोगी पदार्थों की वापसी
C. मूत्र का उत्सर्जन
D. जल का शरीर से बाहर निकलना (B)

व्याख्या: पुनः अवशोषण का अर्थ है रक्त में आवश्यक और उपयोगी पदार्थों की वापसी।

6. मूत्र निर्माण की प्रक्रिया में कुल कितने चरण होते हैं?

A. दो
B. एक
C. चार
D. तीन (D)

व्याख्या: मूत्र निर्माण के तीन मुख्य चरण होते हैं—निस्पंदन, पुनः अवशोषण और स्रवण।

7. मूत्र निर्माण की मात्रा किस पर निर्भर करती है?

A. मूत्रमार्ग की लंबाई
B. जल सेवन और हार्मोन
C. भोजन की मात्रा
D. रक्तचाप (B)

व्याख्या: मूत्र की मात्रा शरीर में जल की उपलब्धता और हार्मोन नियंत्रण पर निर्भर करती है।

8. वृक्काणु में हेन्ले लूप का कार्य क्या है?

A. मूत्र एकत्र करना
B. रक्त शुद्ध करना
C. जल और लवणों का पुनः अवशोषण
D. मूत्र उत्सर्जन करना (C)

व्याख्या: हेन्ले लूप जल और लवणों के पुनः अवशोषण की प्रक्रिया में सहायता करता है।

9. निम्न में से कौन-सा उत्सर्जन अंग नहीं है?

A. मूत्रमार्ग
B. मूत्राशय
C. यकृत
D. वृक्क (C)

व्याख्या: यकृत मुख्यतः पाचन और विषहरण से संबंधित होता है, न कि मूत्र उत्सर्जन से।

10. ग्लोमेरुलस कहाँ स्थित होता है?

A. मूत्रमार्ग में
B. बोमेन सम्पुट के भीतर
C. मूत्राशय के पास
D. मूत्रवाहिनी में (B)

व्याख्या: ग्लोमेरुलस एक केशिका जाल होता है जो बोमेन सम्पुट के भीतर स्थित होता है और छानने का कार्य करता है।

मिशन ज्ञान जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें। 100% FREE! Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES Download Mission Gyan App